## Baily Coening Walletin. <br> OUR WHOLE COUNTEEY.

## GIBSON PEACOCK. zaitar

|  |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
| Stinhung |
|  |  |
|  |
|  |
| to wite of our journals thembetedeit |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
| thirty fhares to a gentleman of my acquain <br>  perhulb Howt control the Thumbere or |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
| olumus ber fidence of his terse <br>  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  estanlishment of the Repililicin, and yonore ret |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
| he to Justy dese derve. These writens have an anuul salary of neariy tye thousend dot |
|  |  |
|  |  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |


|  |  |
| :---: | :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| come painfully public and pro upon the"'Ring" with, which it |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| roprictor rich, riohes. The war made it careless and unambitions, and cerelessness an |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |  |
| nd has fiends and patrons who shen there, was no other divinityillswear ly it howover numeronis |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| teresting vigitor to everyone else, The yearsof the $P_{0 s t}$ I believe, now number three. The central figure of the Post-a centre of no physica insignificance-is Dr. Charles A. Lay |  |
|  |  |  |
| sical insignificance-is Dr. Charles A. Ray editor-in-chief. One of the founders of th <br> Tribume, and one who contributed perhapsmo |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  Tor some strange. reason, his of hata takensides with the "Ring." which has the support of no other journal. |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
| g the Sheriff's sales infront of the $C$ o |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  and ed due bi $\qquad$ ing Parls gara his art a ticket fn the last lottery it won |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

Philadelphia, fRIDAY, AUGUST' 27 i 1869 .





F.I. FETHRESTON Puilisher PRIOE THREE CEETIS.



 Here imotidid and diatid


##  



































